विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

रूपम कुमारी, वर्ग दशम ,विषय हिंदी 🌷🌷

दिनांक- १/७/२०

||अध्ययन--सामग्री ||

बच्चों, सुप्रभात !

अभी आप अपने हिंदी- पाठ्यपुस्तक के पाठ 11 बालगोबिन भगत को पढ़ रहे हैं, जिसमें कि आपने पढ़ा कि वह एक गृहस्थ संन्यासी थे उनकी वेशभूषा बहुत ही साधारण लेकिन विचार उत्कृष्ट थे । अब आगे .....

पठन-पाठन :

भादो की वह अंधेरी अध रतिया । अभी थोड़ी देर पहले मूसलाधार वर्षा खत्म हुई है । बादलों की गरज ,बिजली की तड़प में आपने कुछ नहीं सुना हो, किंतु अब झिल्ली की झंकार या दादुर की टर्र -चक्र बालगोबिन भगत के संगीत को अपने कोलाहल में डुबो नहीं सकती ।उनकी खंजरी डिमक -डिमक बज रही है और वे गा रहे हैं –"गोदी में पियवा चमक उठे सखिया,चिहुँक उठे ना ।"

हां पिया तो गोद में ही है किंतु वह समझती है वह अकेली है, चमक उठती है, चौंक जाती है ।

उसी भरे बादलों वाले भादो की आधी रात में उनका यह गाना अकस्मात अंधेरे में अकस्मात कौंध उठने वाली बिजली की तरह किसे न चौंका देता ? अरे! अब सारा संसार निस्तब्धता में सोया है, बालगोबिन भगत का संगीत जाग रहा है, जगा रहा है ! -तेरी गठरी में लागा चोर मुसाफिर जाग जरा !

कातिक आया नहीं कि बालगोबिन भगत की प्रभातिया शुरू हो गई जो फागुन तक चली ।

शेष कल . .....

विशेष अर्थ : यहाँ गोदी में पियवा वाली पूरी पंक्ति का तात्पर्य है – हमारे हृदय में परमात्मा रहते है और हम जीवन भर इस बात से अनजानी रहते हैं कि हम अकेले हैं और सारी चुनौतियों का सामना हमें अकेले ही करना है । जबकि सत्य है कि ईश्वर सदैव हमारे साथ हैं ।

यहाँ पियवा का तात्पर्य ईश्वर से है ।

एक पंक्ति है – बालगोबिन का संगीत जाग रहा है और जगा रहा है का तात्पर्य है - *यानि बालगोबिन भगत स्वयं एक जागृत आत्मा थे , उन्हें जीवन का मूल अर्थ मालूम था । -वह संसार में रहते हुए भी मोह-माया से दूर थे और यह बात अपने गीत के जरिए लोगों को बचाना चाहते थे कि - अब जाग जाओ , स्वयं को पहचानें ! यह जीमने का प्रयास करो कि तुम यहाँ किसलिए आए हो ।*

तेरी गठरी में लागा चोर का तात्पर्य है-. तेरे अंदर के ईश्वर को मोह ,माया ,इर्ष्या -द्वेष ,लोभ-तृष्णा घेरे हुए है ,उसे लूट रहा है । इसलिए , तुम्हें चेतना होगा !

पठित अंश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें -:

- *भादों की अंधेरी रात का वर्णन ।.*
- *गोदी में पियावा वाली पंक्ति का अभिप्राय क्या है?*
- *12 महीनों के नाम हिंदी में लिखें ।*
- *आपके अनुसार बालगोबिन भगत के संगीत को बाहर का कोलाहल क्यों नहीं डुबो सकती ।*

अगर समझ ना आए तो हम इसकी चर्चा अब अगली कक्षा में करेंगे ।